In the name of Allah the Most Gracious the Ever Merciful

بسم اللہ الرحمن الرحیم

Press Desk
Ahmadiyya Muslim Jamaat
INTERNATIONAL
(INDIA)

شعبہ پریس اینڈ میڈیا بھارت
Office Press & Media
Ahmadiyya Muslim Jama'at India,
Qadian-143516, Distt.Gurdaspur, Punjab, India.
Mobile: +91-99887 57988
Email: pressamjindia@gmail.com
Tel: +91-1872-500282
ahmadiyya_press ahmadiyyapressindia

(A Registered Religious and Charitable Society in India under the Societies Registration Act XXI 1860)

زیرحوالہ/Ref **SPM-291**
تاریخ/Date **24-10-2025**

अहमदिया मुस्लिम जमाअत भारत के उपसंगठनों के कादियां में वार्षिक सम्मेलन का शानदार आयोजन

अहमदिया मुस्लिम जमात के सदस्यों को उम्र के आधार पर तीन अलग-अलग उपसंगठनों में विभाजित किया गया है और प्रत्येक व्यक्ति की मानसिक क्षमता तथा आयु को ध्यान में रखते हुए उनको शिक्षा और प्रशिक्षण दिया जाता है और राष्ट्र तथा देश के लिए उन्हें उपयोगी बनाने का प्रयास किया जाता है।

"अंसारुल्लाह" यानी अल्लाह के मददगार अहमदिया जमात के पुरुषों का एक संगठन है जिनकी उम्र 40 वर्ष से अधिक है। इस संगठन के अंतर्गत वर्ष भर समाज के कमज़ोर एवं वृद्ध लोगों के अनुभव एवं उदाहरण से लाभ उठाकर उन्हें सही अर्थों में राष्ट्र एवं देशहित में अपनी भूमिका निभाने के लिए तैयार करने का प्रयास किया जाता है।

"ख़ुद्दाम-उल-अहमदिया" अहमदिया जमात के युवाओं का एक संगठन है, जिसका उद्देश्य युवाओं को इस तरह से शिक्षित और प्रशिक्षित करना है जिसके परिणामस्वरूप उनमें उच्च नैतिकता और दृढ़ संकल्प उत्पन्न हो और वे राष्ट्र और देश के विकास और मानव जाति की सेवा कर सकें। इसी संगठन के अंतर्गत सात से पंद्रह वर्ष की आयु के बच्चों का एक अलग संगठन " अत्फ़ाल-उल-अहमदिया" भी स्थापित किया गया है, जिसके अंतर्गत बचपन से ही अहमदी बच्चों के धार्मिक और नैतिक प्रशिक्षण पर ध्यान दिया जाता है ताकि बड़े होकर जहाँ वह राष्ट्र एवं देश के लिए उपयोगी बनें वहां धार्मिक और नैतिक रूप से दूसरों से अलग दिखें।

" लजना इमाइल्लाह " अहमदिया जमात की महिलाओं का एक संगठन है जिसके अंतर्गत महिलाओं को समाज के निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाने के लिए तैयार किया जाता है। अहमदिया जमात की लड़कियों को उच्च शिक्षा, और पवित्रता के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, माताओं का ध्यान बच्चों के पालन-पोषण की जिम्मेदारियों पर विशेष रूप से केन्द्रित किया जाता है। इसी संस्था के अंतर्गत सात से पंद्रह वर्ष की आयु की लड़कियों का

एक संगठन है जिसका नाम "नासरात उल-अहमदिया" है, जिसमें बचपन से ही अहमदी लड़कियों की शिक्षा और प्रशिक्षण पर ध्यान दिया जाता है।

इस सम्मलेन का उद्देश्य अहमदिया मुस्लिम समुदाय के सदस्यों को इस्लामी शिक्षाओं के आलोक में अल्लाह के अधिकारों और मनुष्यों के अधिकारों को पूरा करने के बारे में ध्यान दिलाना और उनमें मानवता से हमदर्दी की भावना पैदा करना है तथा उन्हें राष्ट्र एवं देश के लिए उपयोगी बनाना है।

इस समागम के अवसर पर सभी प्रतिभागियों के लिए उनकी संबंधित संस्थाओं के साथ शैक्षणिक एवं खेल प्रतियोगिताओं का अलग-अलग आयोजन किया जा रहा है, जिसके परिणामस्वरूप उनके कौशल में वृद्धि हो सकेगी।

इस सम्मलेन में भाग लेने के लिए पूरे भारत से पुरुष, महिलाएं और बच्चे अहमदिया जमात के केंद्र कादियान में आए हैं।

इन उपसंगठनों द्वारा पूरे भारत में शांति स्थापना के संदर्भ में वर्ष भर प्रयास किये जाते हैं। साथ ही विभिन्न जन कल्याणकारी कार्य निःशुल्क चिकित्सा शिविर, वकारे अमल के माध्यम से सार्वजनिक स्थानों पर सफाई कार्य, ज़रूरतमंदों की सहायता, अस्पतालों में मरीजों की देख भाल, वृक्षारोपण, रक्तदान शिविर आदि पर कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं।

जमात ए अहमदिया आलमगीर के पांचवे ख़लीफा हज़रत मिर्ज़ा मसरूर अहमद साहब के महान आध्यात्मिक नेतृत्व में अहमदिया मुस्लिम जमात के सभी उप-संगठन पूरे भारत में जन कल्याण के लिए काम कर रहे हैं।

इस सम्मलेन में शामिल होने वाला हर व्यक्ति यह प्रतिज्ञा करता है कि वह राष्ट्र एवं देश के विकास के लिए अपनी सेवाएं देगा। इस सम्मलेन के माध्यम से, जमात के सदस्यों को अल्लाह के अधिकारों और मनुष्यों के अधिकारों की भावना पैदा करने और अपने नैतिक मानकों में सुधार करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है।

के तारिक अहमद
प्रर्वक्ता जमाअत अहमदिया भारत